के बारे में सूचित करती है। इन पर गुणदोष के आधार पर विचार किया जाता है। योजना आयोग संशोधित अनुमोदन पत्र भी जारी करता है।

दिल्ली के विद्यालयों में पाठ्यक्रम में परिवर्तन

2183. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के स्कूलों में पढ़ाये जा रहे पाठ्यक्रमों को बदलने का निर्णय पिछले वर्ष लिया गया था ;

(ख) यदि हां, तो कब ;

(ग) क्या यह भी सच है कि पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकें तैयार करने का काम किसी सरकारी संस्थान द्वारा ही किया जाना था ;

(घ) यदि हां, तो उस संस्थान का नाम क्या है जिसे यह प्रारम्भिक कार्य सौंपा गया है ;

(ङ) क्या यह सच है कि 1990 के शैक्षिक वर्ष के आरम्भ हो जाने के बावजूद भी छात्रों को ये पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई जा सकी हैं ; और

(च) यदि हां, तो उन अधिकारियों के नाम क्या हैं जो इनके लिये जिम्मेदार हैं तथा इस लापरवाही के लिये किन-किन अधिकारियों/संस्थाओं के विरुद्ध कार्यवाही की गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमनभाई मेहता) : (क) से (च) स्कूल स्तर पर शिक्षा की विषय वस्तु और प्रक्रिया को पुन: अनुस्थापित करने के प्रयास के एक हिस्से के रूप में, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसधान व प्रशिक्षण परिषद् ने वर्ष 1986 से पर्याप्त मात्रा में कई समन्वित कदम उठाए हैं जिसका उद्देश्य पहली से आठवीं कक्षाओं के लिए एक समान महत्वपूर्ण घटकों से युक्त राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे का विकास, पाठ्य पुस्तकों सहित अनुदेशात्मक पैकेजों की पाठ्यचर्या और पाठ्य विवरण की मार्गदर्शी रूपरेखाओं का विकास है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसधान व प्रशिक्षण परिषद् द्वारा तैयार किया गया पाठ्यक्रम, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा पाठ्यक्रमो के निर्धारण का आधार होता है। दिल्ली के अधिकांश माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूल केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध हैं। इसलिए दिल्ली के अधिकांश माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसधान व प्रशिक्षण परिषद् द्वारा मुद्रित पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग किया जाता है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड व दिल्ली पाठ्य-पुस्तक ब्यूरों भी दिल्ली स्कूलों के छात्रों के लिए, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद् के पाठ्य-विवरणों व पाठ्यपुस्तकों के आधार पर कुछ पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करते हैं।

2. दिल्ली स्कूलों की कक्षा I से VIII के सम्बन्ध में, पाठ्यक्रमों में निम्न-प्रकार से चरणबद्ध तरीके से परिवर्तन किया गया :

कक्षा I, III व VI के लिए 1-4-88
कक्षा II, IV व VII के लिए 1-4-89
कक्षा V व VIII के लिए 1-4-90

3. माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक स्तरों के छात्रों के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने रा.शै.अनु.प्र. परिषद् के पाठ्यक्रमों के आधार पर एक अध्ययन-योजना तैयार की है। इस योजना को केन्द्रीय विद्यालयों में वर्ष 1988-89 के शैक्षिक सत्र से तथा के.मा.शि. बोर्ड से सम्बद्ध अन्य स्कूलों में इसे शैक्षिक सत्र 1989-90 से लागू कर दिया गया था।

4. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसधान तथा प्रशिक्षण परिषद् द्वारा प्रकाशित नई पाठ्यपुस्तकों को दिल्ली के केन्द्रीय विद्यालयों

और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध दिल्ली के अन्य स्कूलों में चरणबद्ध ढंग से लागू किया गया है। जिन वर्षों से विभिन्न कक्षाओं में नई पाठ्यपुस्तकें लागू की गई हैं, उन्हें अनुबन्ध में दर्शाया गया है। (नीचे देखिए)

व्यापक स्तर पर परिवर्तन करने से नई पाठ्यपुस्तकें को बड़ी संख्या में प्रकाशित करना अपरिहार्य हो गया है। दिल्ली में शैक्षिक सत्र-1990-91 के लिए कुछ पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करने में विलम्ब हुआ है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् के अनुसार सभी पाठ्यपुस्तकें जून, 1990 के मध्य तक उपलब्ध हो जाएंगी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् द्वारा प्रकाशित की जानी वाली कक्षाएं I से XII तक थी। 213 पाठ्यपुस्तकें में से 176 पाठ्यपुस्तकें पहले प्रकाशित की जा चुकी हैं।

विवरण

कक्षा 1 से 12 वीं कक्षा तक के लिए संशोधित पाठ्य पुस्तकें (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा प्रकाशित) लागू करना

संशोधित पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन वर्ष	कक्षाएं, जिनमें संशोधित पाठ्य पुस्तकें लागू की गई	केन्द्रीय विश्वविद्यालय में संशोधित पाठ्यपुस्तकें लागू करने का वर्ष	गैर-केन्द्रीय विद्यालयों (के. मा. शि. बोर्ड से संबद्ध) में संशोधित पाठ्य पुस्तकें लागू करने का वर्ष
1987	I, III एवं VI	1987-88	1987-88 के कुछ गैर-केन्द्रीय विद्यालयों के विषय में
1988	II, IV एवं VII	1988-89	1988-89 के कुछ गैर-केन्द्रीय विद्यालयों के विषय में
1988	IX एवं X (विज्ञान एवं गणित)	1988-89	1989-90
1989	V एवं VII	1989-90	1989-90 के कुछ केन्द्रीय विद्यालयों के विषय में
1989	X एवं XI (भाषा एवं सामाजिक विज्ञान)	1989-90	1989-90
	XI (व्यावसाय अध्ययन एवं लेखा पद्धति)	1989-90	1989-90
	X एवं XII (विज्ञान एवं गणित)	1989-90	1990-91
1990	X एवं XII (भाषा एवं सामाजिक विज्ञान)	1990-91	1990-91
	XII (व्यवसाय अध्ययन एवं लेखा पद्धति)	1990-91	1990-91